पाठ 19

इसे जगाओ

(इस कविता में कवि ने प्रकृति के माध्यम से मनुष्य को समय पर सजग रहकर जीवन लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा दी है।)

भई, सूरज

जरा इस आदमी को जगाओ,

भई, पवन

जरा इस आदमी को हिलाओ,

यह आदमी जो सोया पड़ा है,

जो सच से बेख़बर

सपनों में खोया पड़ा है।

भई पंछी,

इसके कानों पर चिल्लाओ!

भई सूरज! जरा इस आदमी को जगाओ!

वक्त पर जगाओ,

नहीं तो जब बेवक्त जागेगा यह

तो जो आगे निकल गये हैं

उन्हें पाने

घबरा के भागेगा यह!

घबरा के भागना अलग है

क्षिप्र गति अलग है

क्षप्र तो वह है

जो सही क्षण में सजग है

सूरज, इसे जगाओ,

पवन, इसे हिलाओ,

पंछी इसके कानों पर चिल्लाओ!

- 'भवानी प्रसाद मिश्र'

भवानी प्रसाद मिश्र का जन्म 1914 ई0 मंे हुआ। बी0 ए0 तक की शिक्षा प्राप्त करने के बाद वह 'कल्पना' पत्रिका के सम्पादक हो गये। उन्होंने 'आकाशवाणी' में भी कार्य किया। 'गीत फरोश' कविता के कारण उन्हें विशेष ख्याति मिली। उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ 'बुनी हुई रस्सी', 'गांधी पंचशती', 'गीत फरोश' हैं। मिश्र जी का निधन सन् 1985 ई0 में हो गया।

शब्दार्थ

बेख़बर = अनभिज्ञ, अनजान। **बेवक्त** = असमय। **क्षिप्र** = त्वरित, तुरन्त। **क्षण** = पल। **सजग** = सचेत, सावधान।

प्रश्न-अभ्यास

कुछ करने को

1. जीवन में किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने वाले लोगों से मिलिए एवं उनके अनुभवों को लिखिए।

2. 'क्षप्र तो वह है जो सही क्षण में सजग है' इस वाक्य में समय की उपयोगिता पर बल दिया गया है। इसी प्रकार आप भी समयबद्ध होकर अपनी दैनिक दिनचर्या का चार्ट बनाइए।

विचार और कल्पना

1. कविता में सूरज, पंछी और पवन हमें सही समय पर जागने को प्रेरित कर रहे हैं। समय के नियोजन का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है ? इस विषय पर अपने विचार लिखिए।

2. संसार में बहुत से भू-भाग ऐसे है जहाँ सूरज कई दिनों तक दिखाई नहीं देता है। चारो ओर फैले अंधकार और बर्फ के बीच लोग कैसे जीवनयापन करते होंगे ? कल्पना करें और वहाँ के जीवन के बारे में कुछ वाक्य लिखिए।

कविता से

1. कवि ने किन-किन माध्यमों से मनुष्यों को जगाने की बात की है ?

2. मनुष्य को 'वक्त पर जगाओ' कहने से कवि का क्या तात्पर्य है ?

3. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय लिखिए-

(क) जो सच से बेखबर, सपनों में खोया पड़ा है।

(ख) क्षप्र तो वह जो सही क्षण में सजग है।

4- इस कविता को कोई अन्य मनचाहा शीर्षक दीजिए ?

भाषा की बात

1. निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची लिखिए-

पवन, पंछी, वक्त, सजग, क्षिप्र

2. दिए गए शब्दों के तत्सम् रुप लिखिए-

सूरज, हवा, सच, कान, सपना

3. निम्नलिखित वाक्यों के रिक्त स्थानों की पूर्ति रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द से कीजिए-

1. अच्छे स्वास्थ्य के लिए समय से जागना समय से .....चाहिए।

2. शिक्षा हमें सही और ..... का निर्णय करने में सहायक होती है।

3. सच बोलने वाले.....से दूर रहते हैं।

4. वक्त.....खाने से अनेक बीमारियाँ होती हैं।

5. दौड़ में आगे देखना चाहिए.....मुड़कर नहीं।

4. वाक्य में शब्द के जिस रूप द्वारा संज्ञा या सर्वनाम का सम्बन्ध क्रिया के साथ ज्ञात होता है, उसे कारक कहते है। कारक के चिह्नो को विभक्ति कहते हैं।

कारक आठ प्रकार के होते हैं -

कारक	विभक्ति
कर्ता	ने
कर्म	को
करण	से के द्वारा

सम्प्रदान	के लिए, को
अपादान	से (अलग होने का भाव)
संबंध	का,के,की,रा,री,रे
अधिकरण	में, पर
सम्बोधन	हे! अरे!

5. निम्नलिखित वाक्यों में विभक्तियों को रेखांकित कीजिए एवं कारक का नाम लिखिए-

(क) जरा इस आदमी को जगाओ।

(ख) जो सच से बेखबर सपनों में खोया पड़ा है।

(ग) इसके कानों पर चिल्लाओ।

(घ) सूरज ने पवन को जगाया।

(ड.) महात्मा परोपकार के लिए जीवन बिताते हैं।

पढ़ने के लिए-

आज उठा मैं सबसे पहले !

सबसे पहले आज सुनूँगा,

हवा सवेरे की चलने पर,

हिल पत्तों का करना 'हर-हर'

देखँूगा, पूरब में फैले बादल पीले,

लाल, सुनहले !

आज उठा मैं सबसे पहले !

सबसे पहले आज सुनूँगा,

चिड़ियांे का डैने फड़काकर

देखूँगा, पूरब में फैले बादल पीले,

लाल, सुनहले !

आज उठा मैं सबसे पहले !

सबसे पहले आज चुनूँगा,

पौधे-पौधे की डाली पर ,

फूल खिले जो सुन्दर-सुन्दर

देखूँगा, पूरब में फैले बादल पीले

लाल, सुनहले !

आज उठा मैं सबसे पहले !

सबसे कहता आज फिरुँगा,

कैसे पहला पत्ता डोला,

कैसे पहला पंछी बोला,

कैसे कलियों ने मुँह खोला

कैसे पूरब ने फैलाए बादल पीले,

लाल, सुनहले !

आज उठा मैं सबसे पहले !

- हरिवंश राय बच्चन